चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.9.26	11	6-8

हिंदी हमारी संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की पहचान : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 15 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिंदी दिवस समारोह-2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के भाषाएं एवं हरियाणा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के हिंदी विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रो. नरेश मिश्र समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को जोडने वाली सशक्त कड़ी है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है और इसके माध्यम से देश की विविधता में एकता की भावना और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ हरियाणवी संस्कृति, लोक परंपराओं और लोक साहित्य का संरक्षण एवं संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन के साथ-साथ शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने युवा पीढ़ी को हिंदी साहित्य, कविता, कहानी एवं लोक साहित्य से जोडने के लिए रचनात्मक और संवादात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. नरेश मिश्र ने हिंदी भाषा के विकास, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी का व्यापक स्वरूप इसे देश के विभिन्न क्षेत्रों, वर्गों और समुदायों को जोडने वाली महत्वपूर्ण भाषा बनाता है। हिंदी ने भारतीय समाज को अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम प्रदान किया है और देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रो. मिश्र ने हिंदी के समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय के अनुरूप हिंदी का निरंतर विकास और इसके व्यापक प्रयोग को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृतियों को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण साधन है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.9.26	5	8

हकृवि में हुआ हिंदी दिवस समारोह

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के अवसर पर ''हिंदी दिवस समारोह-2026'' आयोजित हुआ। भाषाएं एवं हरियाणा संस्कृति विभाग के कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे और प्रो. नरेश मिश्र मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। कुलपति ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और भावनाओं को जोड़ने वाली कड़ी है, जो विविधता में एकता को मजबूत करती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.9.26	4	7-8

पोस्टर और स्लोगन में मासूम शर्मा विजेता

पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य । स्रोत संस्थान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी दिवस समारोह-2026 आयोजित किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में मासूम प्रथम, अंजु रानी व सरिना यादव द्वितीय रहीं। स्लोगन में मासूम प्रथम, नेहा व विशाल द्वितीय रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रकृति यादव प्रथम, सिमरन व तनिश काम्बोज द्वितीय रहे। काव्य पाठ में अक्षरा यादव प्रथम, भाग्यश्री व खुशबु द्वितीय रहीं। विजेताओं को जीजेयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने सम्मानित किया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	16.9.26	12	3-6

हकृवि में हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं , छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हिंदी हमारी संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की पहचान: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिंदी दिवस समारोह-2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के भाषाएं एवं हरियाणा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के हिंदी विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रो. नरेश मिश्र समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को जोडने वाली सशक्त कड़ी है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है और इसके माध्यम से देश की विविधता में एकता की भावना और अधिक मजबूत होती है। समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. नरेश मिश्र ने हिंदी भाषा के विकास, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी का व्यापक स्वरूप इसे देश के विभिन्न क्षेत्रों, वर्गों और समुदायों को जोडने वाली महत्वपूर्ण भाषा बनाता है। हिंदी ने भारतीय समाज को अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम प्रदान किया है और देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हिसार। पुरस्कार विजेताओं के साथ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

पोस्टर मेकिंग में मासुम रही प्रथम

हिंदी दिवस कार्यक्रम के दौरान पोस्टर, स्लोगन, भाषण व काव्यपाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिनके परिणाम इस प्रकार हैं: पोस्टर प्रतियोगिता में मासुम प्रथम, अंजु रानी व सरिना यादव दूसरे स्थान पर रही जबकि तमन्ना, तनिष्का, आशा व गीतिका सरोहा को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। स्लोगन प्रतियोगिता में मासुम प्रथम, नेहा व विशाल दूसरे स्थान पर रहे जबकि चंचल मलिक, सरिता, अनु मलिक व ज्योति रानी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रकृति यादव प्रथम, सिमरन व तनिश काम्बोज दूसरे स्थान पर रहे जबकि मनीषा को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में अक्षरा यादव प्रथम, मान्यश्री व खुशबु दूसरे स्थान पर रहे जबकि शीतल व यशस्वी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.09.26	-----	----

हिंदी हमारी संस्कृति, संस्कार और स्वाभिमान की पहचानः प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिन्दी दिवस पर हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिंदी दिवस समारोह-2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के भाषाएं एवं हरियाणा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रो. नरेश मिश्र समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को जोडऩे वाली सशक्त कड़ी है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है और इसके माध्यम से देश की विविधता में एकता की भावना और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ हरियाणवी संस्कृति, लोक परंपराओं और लोक साहित्य का संरक्षण एवं संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को हिंदी साहित्य, कविता, कहानी एवं लोक साहित्य से जोडऩे के लिए रचनात्मक और संवादात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्य वक्ता प्रो. नरेश मिश्र ने हिंदी भाषा के विकास, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी का व्यापक स्वरूप इसे देश के विभिन्न क्षेत्रों, वर्गों और समुदायों को जोडऩे वाली महत्वपूर्ण भाषा बनाता है। हिंदी ने भारतीय समाज को अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम प्रदान किया है और देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	15.09.26	-----	----

हकृवि में हिन्दी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित, विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिंदी दिवस समारोह 2026' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के भाषाएं एवं हरियाणा संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के हिंदी विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष तथा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रो. नरेश मिश्र समारोह में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भावनाओं को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है और इसके माध्यम से देश की विविधता में एकता की भावना और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ हरियाणवी संस्कृति, लोक परंपराओं और लोक साहित्य का संरक्षण एवं संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी भाषा एवं हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन के साथ-साथ शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने युवा पीढ़ी को हिंदी साहित्य, कविता, कहानी एवं लोक साहित्य से जोड़ने के लिए रचनात्मक और संवादात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

हिंदी का व्यापक स्वरूप देश की विविधता को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी : प्रो. नरेश मिश्र

समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. नरेश मिश्र ने हिंदी भाषा के विकास, वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिंदी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी का व्यापक स्वरूप इसे देश के विभिन्न क्षेत्रों, वर्गों और समुदायों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण भाषा बनाता है। हिंदी ने भारतीय समाज की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम प्रदान किया है और देश की सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रो. मिश्र ने हिंदी के समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय के अनुरूप हिंदी का निरंतर विकास और इसके व्यापक प्रयोग को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि किसी भी समाज की संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृतियों को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण साधन है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। डॉ. देवेन्द्र सिंह इस कार्यक्रम के संयोजक रहे। अंत में भाषाएं एवं हरियाणवी संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर. के. गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन कनिष्का व रुचि ने किया।

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में दिखाई अपनी प्रतिभा

हिंदी दिवस कार्यक्रम के दौरान पोस्टर, स्लोगन, भाषण व काव्यपाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिनके परिणाम इस प्रकार हैं : पोस्टर प्रतियोगिता में मासूम प्रथम, अंजु रानी व सरिता यादव दूसरे स्थान पर रहीं जबकि हमशा, अनिष्का, आशा व गीतिका सरोहा को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। स्लोगन प्रतियोगिता में मासूम प्रथम, नेहा व विशाल दूसरे स्थान पर रहे जबकि पंकज मलिक, गरिमा, अनु मलिक व ज्योति रानी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रकृति यादव प्रथम, सिमरन व तनिशा काम्बोज दूसरे स्थान पर रहे जबकि मनीषा को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में अक्षरा यादव प्रथम, भाग्यश्री व खुशबू दूसरे स्थान पर रहे जबकि शीतल व यशस्वी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया।